Hindi Murli Quiz 29-06-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice	Match
A	भल कितनी भी अहिल्यायें, कुब्जायें हो	सिर्फ दो अक्षर याद करने हैं - बाप और वर्सा। फिर जितना जो याद करे।
B	यह सब कुछ शिवबाबा के लिए है।	उनके डायरेक्शन से कर रहे हैं। वह करनकरावनहार है, डायरेक्शन देते रहते हैं।
C	मनुष्य तो समझते हैं भक्ति परम्परा से चली आई है।	विकार भी परम्परा से चले आये हैं।
D	इन लक्ष्मी-नारायण, राधे-कृष्ण को भी तो बच्चे थे ना।	अरे हाँ, बच्चे क्यों नहीं थे परन्तु उन्हों को कहा जाता है सम्पूर्ण निर्विकारी।
E	जो निर्बल दिलशिकस्त, असमर्थ प्रजा क्वालिटी की आत्मायें हैं	उनके प्रति रूहानी रहमदिल बन महादानी बनो।
F	सदा एक बाप के श्रेष्ठ संग में रहो तो	और किसी के संग का रंग प्रभाव नहीं डाल सकता।

Q.2) **इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -**

- **A.** (●) हम ब्राह्मण बी.के. हैं। रचना है ब्रह्मा की।
- **B.** ( ) बच्चा पैदा हुआ और याद छप जाती है। यह याद तो स्वर्ग में भी छप जाती, नर्क में भी छप जाती।
- **C.** ( ) एक भी रहने का नहीं है जो भी डियरेस्ट से डियरेस्ट (प्यारा से प्यारा) है, सब चले जायेंगे।
- **D.** ( ) वह है डीटी वर्ल्ड, यह है डेविल वर्ल्ड। सतयुग में कितना अथाह सुख रहता है।
- **E.** ( ) हमको 21 जन्मों के लिए स्वर्गवासी बनाते हैं, इससे भारी वस्तु कोई होती नहीं। यह समझ रखनी चाहिए।

Explanation: हम ब्राह्मण बी.के. हैं। रचना है एक बाप की।

Q.3) **Match the following**

	Choice	Match
A	साक्षात्कार में कुछ है नहीं।	मुख्य है पढ़ाई। पढ़ाई से तुमको 21 जन्म का सुख मिलता है।
B	इतना भारी ज्ञान तुम लेते हो विश्व का मालिक बनने के लिए।	आत्मा का ज्ञान भी परमात्मा बाप ही आकर देते हैं।
C	याद करते-करते तुम घर चले जायेंगे	इसमें बिल्कुल अन्तर्मुखता चाहिए।
D	यहाँ भी मेरे बनेंगे तो फिर	सबकी याद आने लग पड़ेगी। तूफान आयेंगे, इसमें लाइन क्लीयर चाहिए।
E	माया से ही लड़ाई होती है। बहुत बड़े-बड़े तूफान आयेंगे।	उसमें भी वारिसों पर जास्ती माया वार करेगी। रूसतम से रूसतम हो लड़ेगी।
F	अगर बाप का कहना नहीं मानेंगे तो फिर थोड़ेही बनेंगे। अब मानो न मानो। सपूत बच्चे तो फौरन मानेंगे।	पूरी मदद नहीं देते हैं तो अपने को घाटा डालते हैं।

Q.4) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

- **A.** [x] अभी तुम मीठे बच्चे समझते हो हम ईश्वरीय सन्तान हैं। यह पक्का निश्चय है ना।
- **B.** [x] तुम ब्राह्मण समझते हो हम ईश्वरीय सम्प्रदाय स्वर्गवासी विश्व के मालिक बन रहे हैं।
- **C.** [x] अशान्ति से दु:ख भासता है। शान्ति से सुख भासता है। यहाँ तुम बच्चे बैठे हो, तुमको सच्ची शान्ति है।
- **D.** [ ] पुरूषोत्तम संगमयुग पर देवी सम्प्रदाय बदली होती है।
- **E.** [x] आत्मा में जो आधाकल्प से अशान्ति है, वह निकलनी है शान्ति के सागर बाप को याद करने से।

Explanation: पुरूषोत्तम संगमयुग पर आसुरी सम्प्रदाय बदली होती है।

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	यहाँ तुम बहुत उमंग से आते हो।	हम जाते हैं बेहद के बाप पास। हम ईश्वरीय औलाद हैं।
B	अब तुम्हारी बुद्धि में सारे वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी है।	जानते हो हेविनली गॉड फादर हमको हेविन के लायक बना रहे हैं।
C	गॉड फादर के बच्चे फिर हम दु:खी क्यों हैं!	आपस में लड़ते क्यों हैं! हम आत्मायें सब ब्रदर्स हैं ना।
	बाप को तो सिवाए बच्चों के और कोई है नहीं जिसको याद करें।	तुम्हारे लिए तो बहुत हैं। तुम्हारी बुद्धि इधर-उधर जाती है। धन्धे आदि

D		में भी बुद्धि जाती है।
E	अच्छे-अच्छे बच्चों को एकदम माया खत्म कर देती है।	जरूर देह-अभिमान है। बाप कहते रहते हैं अपनी खुशखैराफत लिखो।
F	कर्मेन्द्रियां ऐसे वश करनी चाहिए जो	कुछ भी चंचलता न हो। सतयुग में सब कर्मेन्द्रियां वश में रहती हैं।